

प्रेषक,

एस०एस०वल्डिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून दिनांक 23 मार्च 2007

विषय: जनपद अल्मोड़ा के विकास खण्ड द्वाराहाट के स्थान छाना भैंट में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु धनावंटन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 986 / सात-1439 / 2006-2007, दिनांक 05 दिसम्बर 2006 के कन में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद अल्मोड़ा के विकास खण्ड द्वाराहाट के स्थान छाना भैंट में मिनी स्टेडियमों के निर्माण हेतु आगणन के तकनीकी परीक्षणोंपरान्त संस्तुत धनराशि ₹० ५४.०० लाख (₹० ५०.२० लाख के स्वीकृति प्रदान करते हुए धारा वित्तीय वर्ष 2006-07 में ₹० ९.६४ (₹० ८० लाख चौसठ हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय निर्वतन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण दिभान के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों को जो दरें अनुमान आवश्यक होगा।

3. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन / नानवित्र गठित कर नियनानुसार सक्षम प्राधिकारी से ग्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना ग्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियनानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुकूल ही कार्य को सम्पादित करते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

7. कार्य करने से पूर्व स्थल का भूलो-भौति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ताओं से अवश्य करा लें। निरीक्षण के चरणों के छायाचित्र निर्माण इकाई द्वारा वित्तीय / भौतिक प्रगति के साथ उपलब्ध कराये जायेंगे, यथा निर्माण कार्य के पूर्ण कर रिक्त भूमि का चित्र, निर्माण के मध्य का चित्र व पूर्ण निर्मित योजना का चित्र।

8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

9. जी०पी०डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण घरणबद्ध निर्माण कार्य पूर्ण करने का कार्यक्रम धनराशि व्यय करने के पूर्व प्राप्त कर लिया जाय। इस कार्यक्रम के अनुकूल

10. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने, वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।

11. निर्माण हेतु मूकम्प रोधक ग्राविधानों का कढाई से पालन किया जायें।

12. यह भी सुनिश्चित कर लिया जाये कि भूमि की उपलब्धता है अथवा नहीं, / धनराशि का आहरण भूमि की उपलब्धता पर ही किया जायेगा।

13. सामग्री क्य में स्टोर पर्चे नियमों का कढाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

14. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायें कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।

15. उक्त स्वीकृत धनराशि शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों नियमों के अनुसार ही व्यय किया जायें। जहां आवश्यक हो, वहां सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जायें। वित्तीय एवं भौतिक प्रगति तथा उपयोगिता प्रनाल पन्ना व्यय करने के लिए बजट बैनुअल या वित्तीय इत्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम आवश्यक हो, उक्त स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

16. उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, मितव्ययी मर्दों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा व्यय करने के लिए बजट बैनुअल या वित्तीय इत्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम आवश्यक हो, उक्त स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

17. जहां आवश्यक हो, धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन योजना पर एवं वित्तीय व्यय की प्रस्ताव पर प्राप्त कर लिया जायेगा। जहां निर्माण कार्य किये जाने हो वहां आगणनों पर शासन का अनुमोदन नियामनसार प्राप्त किया जायेगा। सामग्री एवं उपकरणों का क्य डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर किया जायेगा और यह दरें न हाने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जायेगा।

18. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड के शासनादेश संख्या 2047 / XVI-219(2000) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

19. इस सम्बन्ध में चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -2204- खेलकूद तथा युवा सेवाये -00-001 निदेशन तथा प्रशासन -07- ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम-00—24—बृहद निर्माण कार्य के आयोजनागत पक्ष के मानक मर्दों के नामें ढाला जायेगा।

20. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या 1402 वित्त XXXVII-(3)/2006 दिनांक 22 मार्च 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

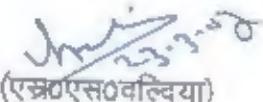
(एस०एस०वल्डिया)
उपसचिव

पुस्तकान संख्या:- ०६/VI-I/2006-2(१)2006 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा०मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मा० युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-३ उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।
- 8- मार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(एस०एस०वल्डिया)
उपसचिव

230307019